नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, के अंर्तगत संचालित ''पंचगव्य निर्माण इकाई'' का भ्रमण

जबलपुर। दिनांक 9 मई 2018। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में विगत दिवस श्रद्वेय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल, कुलपति, महोदय जी के मार्गदर्शन में माननीय श्री अभय महाजन जी, संगठन सचिव, दीन दयाल शोध संस्थान, चित्रकूट एवं दीन दयाल शोध संस्थान के अन्य पदाधिकारियों, ने विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवायें के अंर्तगत संचालित **''पंचगव्य निर्माण इकाई''** का भ्रमण कर विभिन्न पंचगव्य उत्पादः गौमूत्र अर्क, मच्छर कुंडली, गौमत्र घनवटी, हवन टिकिया, गोबर गमला आदि का निर्माण कार्यो का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय में हर्बल अनुसंधान की अनुशंसाओं के अनुसार पशु हर्बल औषधियाँः गौमूत्र घनवटी, एवं घावरोधक मलहम, (घाव के उपचार) का भी निरीक्षण किया।

इसी श्रंखला में नव निर्मित नानाजी दशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, अधारताल प्रशासनिक भवन का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया एवं **''राश्ट्र ऋशि व स्वप्नदृश्टा नानाजी देशमुख जी''** की प्रतिमा स्थल के चयन हेतु निरीक्षण एवं सुझाव लिये गये।

माननीय डॉ. प्रयागदत्त जुयाल जी, कुलपति नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर ने विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के तहत् शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक जानकारीयों से अवगत कराया। तदोपरांत विशिष्ट अतिथियों ने विश्वविद्यालय में हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की भूरी–भूरी पशंसा करते हुये, अभिमत दिया कि, जो परिकल्पना राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख जी की थी, उसी दिशा के अनुरूप सभी स्वप्न **ग्रामीण उत्थान** की दिशा में साकार हो रहे है और नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप उत्तरोतर प्रगति कर रहा है।

इस अवसर पर श्रीमान् डॉ. वाय.पी. साहनी, संचालक अनुसंधान सेवाय, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, संचालक छात्र कल्याण अधिष्ठाता/स्टेट ऑफिसर एवं इंजी. ए.के. सिंह, कार्यपालन यंत्री, विश्वविद्यालय का सहयोग एवं उनकी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।